संस्कृत विभाग की बैठक

दिनाङ्क 3 जनवरी 2018 को संस्कृत विभाग की ओर से विभागाध्यक्षा डा० सुमन कुमारी राजन के दिशा-निर्देशन में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार-विमर्श किया गया -

1 प्राध्यापिकाओं का कार्यभार।
2. कक्षाओं की समय सारणी तथा संयोजन।
3. पाठ्यक्रम की रूपरेखा
4. ब्रिज कोर्स।
5. कक्षा-परीक्षा।
6. आन्तरिक मूल्यांकन।
7 सामिसत्र के दौरान आयोजित की जाने वाली संस्कृत प्रतियोगिताओं सम्बन्धी चर्चा।
8. गत सामिसत्र के परिणाम एवं यात्राओं के प्रदर्शन के अनुसार सुधार सम्बन्धी चर्चा।

डॉ सुमन कुमारी राजन
(विभागाध्यक्षा एवं एसोसिएट प्रोफेसर)

डॉ० रीजा (असिसटेंट प्रोफेसर)

Dayanand Mahila Mahavidyalaya, Kurukshetra

Notice

Date: 14.03.2018

All the students are hereby informed that Sanskrit Sahitya Parishad Society is orgainizing an Inter class/college Shloka Evm Sukti Lekhan Poster competition on 24.03.2018 at 12.00 a.m/p.m. in the Library Hall/Seminar Room. Interested students should give their names to the undersigned teachers latest by 20.03.2018.

Dr. Suman Kumari (Re
Convener

Principal

Principal
Dayanand Mahila Mahavidyalaya
Kurukshetra (Haryana)

संस्कृत श्लोक लेखन प्रतियोगिता

24.03.2018

अन्तर्कक्षा प्रतियोगिता परिणाम

	नाम	अनुक्रमाङ्क	कक्षा	स्थान
1.	वर्षा	2526	बी०ए०III	प्रथम
2.	आरती	153142089	बी०ए०I	द्वितीय
3.	मंजुबाला	2763	बी०ए०III	तृतीय
	ममता	153142060	बी०ए०I	तृतीय
4.	काजल	153142024	बी०ए०I	सांत्वना
	सुदक्षिणा	3201	बी०ए०II	सांत्वना

24.3.18

24.3.18

24.3.18

प्रैस नोट

आज दिनांक २५.०३.२०१४ को दयानन्द महिला महाविद्यालय में संस्कृत साहित्य परिषद् की ओर से पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी. जिसमें संस्कृत विषय की छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल की भूमिका में डॉ० सुमन राजन, डॉ० आरती अग्रवाल, डॉ० रीजा उपस्थित रही। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ अनिता गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए छात्राओं के उत्तरोत्तर विकास में इस प्रकार की प्रतियोगिता को महत्वपूर्ण बताया एवं सदैव आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में कु० वर्षा (प्रथम स्थान), कु० आरती (द्वितीय), कु० मंजु बाला एवं ममता (तृतीय) तथा काजल, सुदक्षिणा ने सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की अन्य प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं ने प्रतियोगिता प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

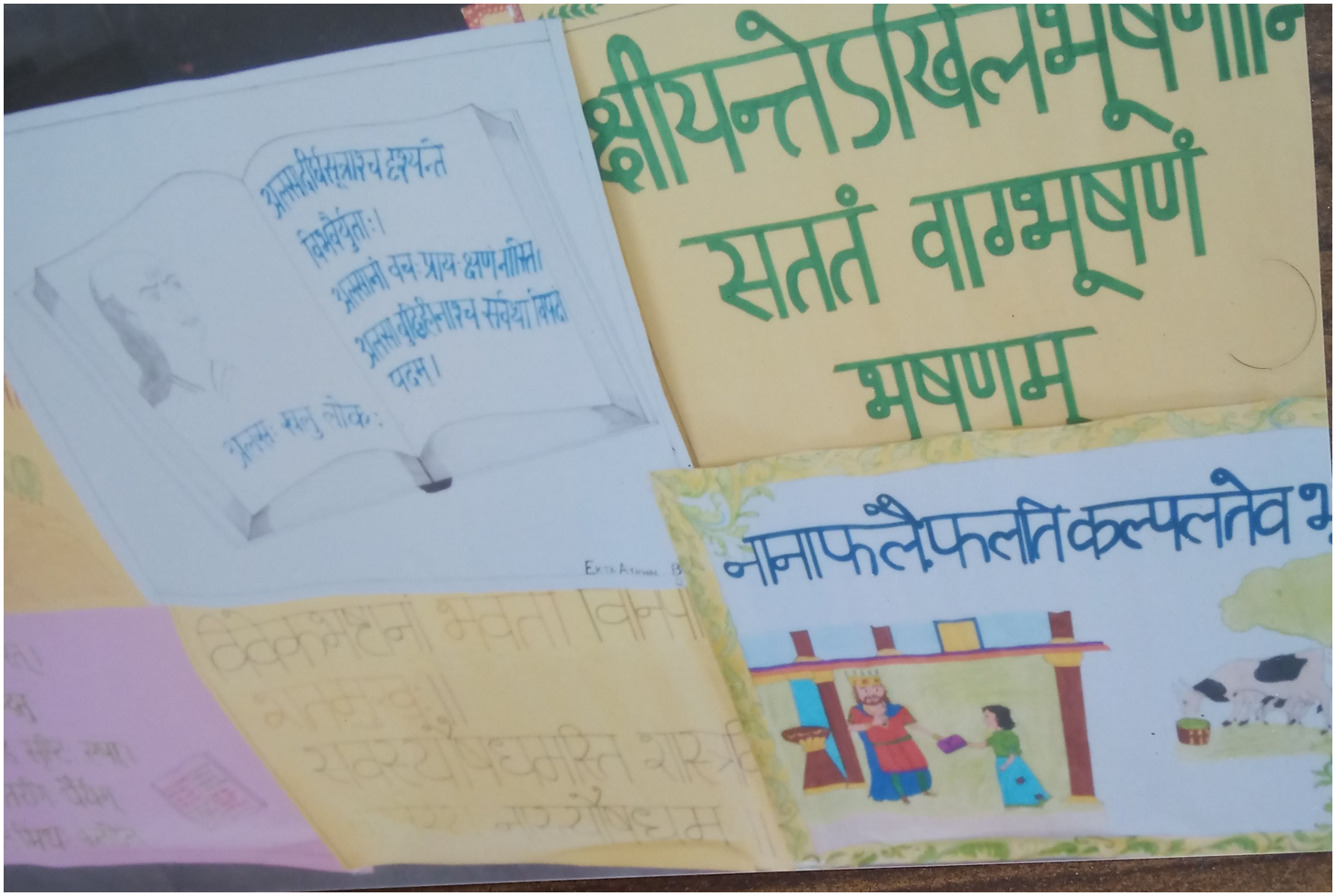
शीयन्तेऽखिलभूषणा
सततं वाग्भूषणं
भषणम
नानाफलैःफलति कल्पलतेव

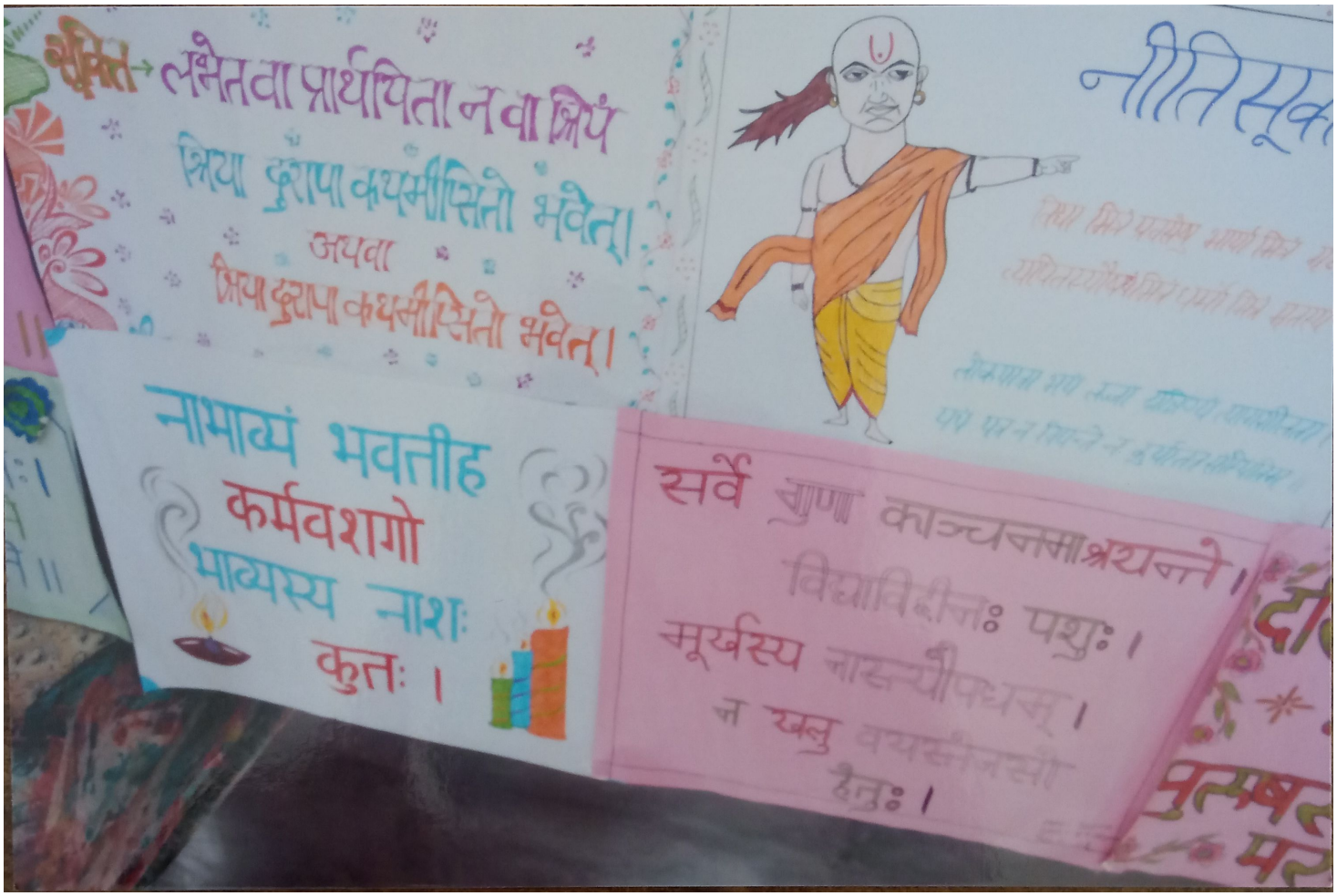

लभेत वा प्रार्थयिता न वा श्रियं
श्रिया दुरापा कथमीप्सितो भवेत्।
अथवा
श्रिया दुरापा कथमीप्सितो भवेत्।
नीतिसूक्त
नाभाव्यं भवतीह कर्मवशगो भाव्यस्य नाशः कुतः।
सर्वे गुणा काञ्चनमाश्रयन्ते।
विद्याविहीनः पशुः।
मूर्खस्य नास्त्यौषधम्।
न खलु वयस्तेजसो हेतुः।